हिंदू जनजागृति समिति

पंजीयन क्र. : 1540/I/634, १२.११.२००२, फोंडा, गोवा.

संपर्क पता : ८, जय श्रीसिध्दीविनायक को.ऑप.हौ.सो., शिवाजीनगर, नौपाडा, ठाणे (प.) ४०० ६०२

Email : contact@hindujagruti.org **Website :** www.hindujagruti.org

प्रति,

मा. श्री. पहलाज निहलानी, अध्यक्ष,
सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टीफिकेशन, भारत भवन,
९१-ई, वाळकेश्वर रोड,
मुंबई - ४०० ००६

दिनांक : २४-११-२०१५

विषय : आगामी चलचित्र (फिल्म) 'बाजीराव मस्तानी' के प्रदर्शित हुए ट्रेलर एवं 'पिंगा पिंगा' इस गीत द्वारा किया गया इतिहास का विकृतीकरण रोकने तथा चलचित्र को प्रमाणपत्र न देने हेतु

महोदय,

हिन्दू जनजागृती समिती एक सामाजिक संगठन है । हिंदुओमें धर्मके प्रती जागृती निर्माण करना तथा समाजमें राष्ट्र एवं धर्मके प्रती जागृती करना इस उद्देश्यसे समिती कार्यरत हैं । समितीके कार्य की आधिक जानकारी हेतु समितीके संकेतस्थल www.Hindujagruti.org को अवश्य भेंट दे ।

श्री. संजय लीला भन्सालीद्वारा दिग्दर्शित 'बाजीराव मस्तानी' इस आगामी चलचित्र (फिल्म) के प्रसारित हुए ट्रेलर एवं 'पिंगा पिंगा' इस गीत द्वारा इतिहास का विकृतीकरण किया गया है ।

छत्रपति शिवाजी महाराज के उपरांत, देश को बाजीराव पेशवा के रूप में एक महापराक्रमी योद्धा प्राप्त हुआ । इतिहास इसका साक्षी है । बाजीराव जी ने २१ वर्षों के अपने गौरवशाली कार्यकाल में एक भी लडाई नहीं हारी । परंतु उनके इस गरिमापूर्ण इतिहास को इस फिल्म द्वारा पूरी तरह अनदेखा कर दिग्दर्शक भन्साली ने उनका चरित्र, केवल मस्तानी के प्रेमी के रूप तक ही मर्यादित कर दिया है । बाजीरावजी का यह अक्षम्य अपमान किसी भी राष्ट्राभिमानी के लिए असहनशील है ।

इसके साथ ही, इस चलचित्र के एक गीत 'पिंगा पिंगा' में बाजीरावजी की पत्नियां काशीबाई और मस्तानी को एकत्रित नृत्य करते हुए दिखाया गया है । इस गाने में उनका बीभत्स रूप में नाच दिखाया गया है । वास्तव में, पेशवाओं के काल में, चारित्र्यवान एवं खानदानी महिलाओं की ऐसी परंपरा थी की वे बीभत्स रूप से नृत्य नहीं करती थी । तत्कालीन राजघरानों की महिलाएं, राजमाता जिजाऊ, रानी लक्ष्मीबाई, ताराबाई, रानी चेन्नम्मा जैसे शूर पराक्रमी परंपराओं से थी । उन्होंने अपनी तलवारों के जोर पर शत्रु का नाश किया । परंतु बॉलीवूड में स्वयं की कन्याओं को नचानेवाले तथा परपुरुषों का चुंबन करवाने को विवश करनेवाले, हीन परंपरा के भन्साली जी का ऐसी गौरवशाली राजपरंपराओं का अभ्यास नहीं है । अपनी तिजोरी भरने के लिए मराठों की आदर्श कुटुंब व्यवस्था को आहत करने समान यह है । उन्होंने आधी-अधूरी जानकारी से इतिहास का असत्य रूप में प्रस्तुतीकरण किया है । यह बात अक्षम्य ही है ।

आपको यह भी बता दें की, पेशवाओं के वंशजों ने भी चलचित्र पर अपनी अप्रसन्नता दर्शाई है । उन्होंने इसका विरोध करते हुए कहा, 'चलचित्र द्वारा हमारे राजघराने की रानियों के देहप्रदर्शन से हमें तीव्र दुख हुआ है !' उन्होंने इस चलचित्र पर अनेक आक्षेप भी उठाएं हैं । वंशजों ने इस चलचित्र के विरोध में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री मा. देवेंद्र फडणवीस जी को भी पत्र लिखा है ।

समस्त हिन्दू धर्मीय तथा विविध हिन्दुत्वनिष्ठ संगठन भी इस चलचित्र का विरोध कर रहे हैं । एक ओर, ट्रेलर एवं 'पिंगा पिंगा' गीत में इतना विकृतीकरण किया गया है, तो संपूर्ण चलचित्र में विकृतीकरण होने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता । इसीलिए देश के गौरवशाली इतिहास का अनादर करनेवाला यह चलचित्र प्रदर्शित होने से पूर्व इस चलचित्र के अयोग्य दृश्य एवं 'पिंगा पिंगा' गीत शीघ्र निकाले जाए, अन्यथा इस चलचित्र को प्रमाणपत्र न दे, ऐसी मांग हिन्दू जनजागृति समिति इस पत्र के माध्यम से आपसे कर रही है । आप इस पत्र के विषय की गंभीरता से एवं शीघ्रता से जांच कर, आवश्यक कार्यवाही कर हिन्दुओं की भावनाएं आहत होने से रोके ऐसी हम आपसे अपेक्षा करते हैं ।

आपके द्वारा सकारात्मक प्रतिसाद मिलने की हमें आशा है ।

आपका,
श्री. सतिश कोचरेकर (Mobile : 9552578968),
हिन्दू जनजागृति समिति.